वन विज्ञान केन्द्र, महाराष्ट्र, जिला- जालना में उन्नत नर्सरी, बीज प्रौद्योगिकी, वृक्ष सुधार तकनिक एवं कृषि वानिकी पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

(दि. 07 दिसम्बर, 2014)

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान द्वारा उन्नत नर्सरी, बीज प्रौद्योगिकी, वृक्ष सुधार तकनिक एवं कृषि वानिकी पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम_विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दि. 07 दिसम्बर, 2014 को वन विज्ञान केंद्र. महाराष्ट्र, जालना में आयोजित किया गया । इसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के कृषक, गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि, स्वःसहायता समूह के सदस्य तथा वन विभाग के कर्मचारी आदि प्रशिक्षाणार्थी उपस्थित रहे ।

उदघाटन कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरा अनुसार मुख्य अतिथि श्री प्रशांत श्रीवास्तव, मुख्य वन संरक्षक एवं संयुक्त संचालक, सामाजिक वानिकी, औरंगाबाद द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया । महोदय ने सभी प्रशिक्षाणार्थियों व विषय विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से तथा अन्य उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से आहवान किया कि वे इस कार्यक्रम में प्राप्त जानकारी को मैदान में साकार करने में अपना योगदान दे । डॉ. नितिन कुलकर्णी, वैज्ञानिक – जी तथा प्रभागाध्यक्ष, वन विस्तार प्रभाग, उ.व.अ.सं., नें वन विज्ञान केंद्र तथा वानिकी तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों से सभी उपस्थित प्रशिक्षणार्थीयों को परिचित कराया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ. ननिता बेरी, वैज्ञानिक – डी, ने मध्य क्षेत्र हेतु उ.व.अ.सं., द्वारा विकसित विभिन्न कृषि वानिकी तकनिकों से अवगत कराया । उन्होने महाराष्ट्र राज्य हेतु उपयोगी कृषि वानिकी के माडल, लाख की खेती द्वारा आय में वृद्धि तथा कृषि वानिकी के लाभ एवं उसके आर्थिक तथा पर्यावरणीय लाभ से उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया साथ ही विभिन्न कृषि वानिकी तकनिकों को अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया। अतिथि वक्ता श्री आर. पी. साहू, उप वनमंडलाधिकारी, क़ोरिया वन मंडल, छत्तीसगढ़ नें हल्दू (*Adina cordifolia*) एवं मुंडी (*Mitragyna Parvifolia*) की पौध तैयार करने की उन्नत नर्सरी तकनिकी तथा इससे संबधित विभिन्न समस्यायों तथा उनके समाधान की विस्तृत जानकारी उपस्थित प्रशिक्षार्थियों को दी। उन्होनें हल्दू तथा मुंडी की आर्थिक उपयोगिता एवं अन्य इमारती लकड़ी प्रदान करने वाले वृक्षों के संग तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत किया। डॉ. योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिक-ई, आनुवांशिकी एवं पाद्प प्रजनन प्रभाग उ.व.अ.सं., जबलपुर नें वानिकी वृक्ष प्रजातियों का सुधार एवं धन वृक्षों का चयन **विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंनें** आनुवांशिकी एवं पाद्प प्रजनन प्रभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न वानिकी वृक्षों के सुधार संबधी कार्यों से प्रशिक्षार्थियों को अवगत् कराया। डा. मैत्रेयी कुन्डु, वैज्ञानिक-एफ़, की अनुपस्थिति में, डॉ. ननिता बेरी, वैज्ञानिक – डी, ने उच्च गुणवत्ता के पौध उत्पादन हेतु बीजों का चयन तथा भंडारण विषय पर प्रस्तुति द्वारा विभिन्न वानिकी प्रजातियों के बीजों के एकत्रीकरण समय, गुणवत्ता, बीजों के एकत्रीकरण के समय अन्य सावधानियों, उनके प्रमाणीकरण तथा उनके उपचार से संबधित अनेक उपयोगी जानकारियाँ उपस्थित प्रशिक्षार्थियों को दी । सभी प्रशिक्षणार्थियों ने बढ़-चढ़ कर चर्चा में भाग लिया ।

The contents of this report are provided by PLO, Section of the institute.

उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन श्री बिन्नर, सहायक वन संरक्षक व नोडल अधिकारी, वन विज्ञान केंद्र, जालना ने प्रस्तुत किया साथ ही उन्होने उम्मीद जतायी की उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान द्वारा किये जा रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यो से इसी तरह भविष्य में और प्रशिक्षण कार्यक्रम किये जाते रहेंगे ।

The contents of this report are provided by PLO, Section of the institute.